भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 194

जिसका उत्तर मंगलवार, 21 जुलाई, 2026/30 आषाढ़, 1948 (शक) को दिया जाना है।

बंद पड़े यूरिया इकाइयों को फिर से चालू करना

194 डा. दिनेश शर्मा:
डा. अनिल सुखदेवराव बोंडे:
श्री बृज लाल:
डा. मेधा विश्राम कुलकर्णी:
डा.के.लक्ष्मण:

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2014 से पूर्व बंद पड़ी उर्वरक-संयंत्रों में से सरकार द्वारा बाद में पुनरुद्धार किए गए संयंत्रों का संयंत्र-वार ब्यौरा क्या है;
(ख) रामागुंडम, गोरखपुर, सिंदरी, बरौनी तथा तालचर-संयंत्रों के पुनरुद्धार के माध्यम से वर्ष 2014 के बाद जोड़ी गई वार्षिक-उत्पादन-क्षमता का ब्यौरा क्या है;
(ग) इन पुनरुद्धार किए गए संयंत्रों में किए गए कुल निवेश तथा सृजित-रोजगार का ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या वर्ष 2014 से पूर्व की अवधि में भी ऐसे बंद संयंत्रों का पुनरुद्धार किया गया था; और
(ड.) यदि नहीं, तो इन संयंत्रों का पहले पुनरुद्धार न हो पाने के क्या कारण थे और वर्ष 2014 के बाद में इन्हें किस प्रकार पुन:संचालित किया गया?

उत्तर

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (ङ): यूरिया के संबंध में, नई निवेश नीति (NIP), 2012 के अंतर्गत संयुक्त उद्यम (जेवी) के माध्यम से कुल चार यूरिया इकाइयों का पुनरुद्धार किया गया है, जिनमें तेलंगाना में रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (आरएफसीएल) की रामागुंडम यूरिया इकाई तथा उत्तर प्रदेश, झारखंड और बिहार में हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (एचयूआरएल) की क्रमशः गोरखपुर, सिंदरी और बरौनी स्थित तीन यूरिया इकाइयाँ शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक इकाई की स्थापित उत्पादन क्षमता 12.7 लाख मीट्रिक टन प्रतिवर्ष (एलएमटीपीए) है। इन परियोजनाओं के माध्यम से प्रत्येक परियोजना में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 1,500 कर्मियों के लिए रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। इसके अतिरिक्त, फर्टिलाइजर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (FCIL) की तालचेर इकाई के पुनरुद्धार के उपरांत, संयुक्त उद्यम (जेवी) के माध्यम से ओडिशा के तालचेर में 12.7 लाख मीट्रिक टन प्रतिवर्ष उत्पादन क्षमता वाले एक नए ग्रीनफील्ड यूरिया संयंत्र तालचेर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (टीएफएल) की स्थापना की जा रही है।

****